जनवरी 2015 के दौरान आफरी की विभिन्न गतिविधियों के संक्षिप्त ब्योरा

आफरी का हस्तशिल्प मेले में स्टॉल

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) द्वारा पश्चिमी राजस्थान के हस्तशिल्प मेला (2 से 11 जनवरी 2015) के केन्द्रीय पंडाल में अपनी शोध परियोजनाओं का प्रदर्शन किया गया । आफरी के कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमा राम चौधरी , भा.व.से. ने बताया कि आफरी निदेशक श्री एन.के.वासु , भा.व.से. के निर्देशानुसार वनों के लाभ , विभिन्न पर्यावरण दिवसों आदि की जानकारी के साथ वर्षा जल संग्रहण कार्बन स्थिरीकरण , लवणीय भूमि के पुनरूद्धार, खेजड़ी की मृत्यता एवं उपचार, जैव ईधन, कृषि वानिकी, उत्तक संवर्धन आदि तकनीकी से संबंधित पोस्टर लगाए गए है । इसके साथ ही विभिन्न प्रकार के बीजों , मृदाओं का जीवन्त प्रदर्शन एवं नर्सरी हेतु जड़ साधक तकनीक के बारे में बताया जा रहा है । उल्लेखनीय है कि जड़ साधक के प्रयोग से पॉलीथीन के प्रयोग को कम किया जा सकता है ।

वाई.एस.परमार विश्वविद्यालय,सोलन के विद्यार्थियों का आफरी दौरा (7.1.2015)

डॉ. वाई.एस.परमार विश्वविद्यालय ऑफ हॉर्टीकल्चर एण्ड फोरेस्ट्री, कॉलेज ऑफ फोरेस्ट्री, नॉनी - सोलन (हिमाचल प्रदेश) के 63 विद्यार्थियों (32 छात्र एवं 31 छात्राओं) के एक दल ने दिनांक 7.1.2015 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) का भ्रमण किया। आफरी निदेशक श्री एन. के. वासु भावसे ने बताया कि इस अवसर पर विद्यार्थियों को आफरी के निवर्चन एवं विस्तार केन्द्र का भ्रमण कराया गया जहाँ कृषि वानिकी एवं विस्तार के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी भावसे, जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. एन. के. बौहरा एवं श्री रतनाराम लोहरा ने विभिन्न शोध गतिविधियों की जानकारी दी। विद्यार्थियों को आफरी की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण भी करवाया गया तथा विद्यार्थियों की विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। दल का नेतृत्व प्रोफेसर डॉ. एस.एस. शर्मा एवं सहायक प्रोफेसर डा. पी. के बवेजा किया। दल के तृतीय वानिकी वर्ष वानिकी के छात्र शैक्षणिक भ्रमण पर राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में वानिकी शोध एवं कार्यों के बारे में जानकारी हासिल करी ।

पत्र सूचना कार्यालय, पश्चिम बंगाल के दल का आफरी भ्रमण (7.1.2015)

पत्र सूचना कार्यालय, पश्चिम बंगाल के एक दल ने 7.1.2015 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) का भ्रमण किया। इस अवसर पर आफरी निदेशक श्री एन. के. वासु, भा.व.से. ने उन्हे विभिन्न शोध गतिविधियों की जानकारी दी। दल के सदस्यों को आफरी के निर्वचन एवं विस्तार केन्द्र का भ्रमण कृषि वनिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने करवाकर उपयोगी जानकारियाँ दी। इस अवसर पर आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने दल के सदस्यों की जिज्ञासाओं का निराकरण किया।

आफरी में वनपाल/सहायक वनपालों के 10 सदस्यीय दल का भ्रमण (24.12.2015)

वनपाल/सहायक वनपालों के 10 सदस्यीय दल ने दिनांक 24.12.2015 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) , जोधपुर का भ्रमण कर शोध कार्यों की जानकारी ली।आफरी निदेशक श्री एन. के. वासु भावसे ने बताया कि दल के सदस्यों को आफरी के अनुसंधान अधिकारी , डा. एन. के बौहरा ने आफरी की विभिन्न प्रयोगशालाओं एवं निर्वचन एवं विस्तार केन्द्र का भ्रमण करवाया ।

इस अवसर पर वन विभाग के क्षेत्रीय वन अधिकारी श्री नरपत सिंह एवं श्री शिव कुमार थानवी के साथ गोवर्धन सिंह, सुनील बोड़ा, रवि माथुर, लाल भारती, तेजा राम, कानाराम, भवंर सिंह राठौड़, भवंर सिंह करनौत, प्रवीण सिंह, एवं पाबूराम विश्नोई ने आफरी की विभिन्न शोध कार्यों की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान श्री गंगाराम चौधरी, श्रीमती बिन्दू निवार्ण, श्रीमती मुस्कान कौशिक, सुनील, बुन्देश तथा तेजाराम ने सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एन.के.बौहरा ने किया ।

आफरी में गणतन्त्र दिवस 2015 समारोह

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) , जोधपुर में 66वाँ गणतन्त्र दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। आफरी निदेशक एन. के. वासु भावसे ने तिरंगा लहराया। इस अवसर पर अपने उद्घोषण में वासु ने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने कार्य को पूर्ण निष्ठा से कर देश की प्रगति में भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

आफरी निदेशक एन.के. वासु भावसे ने स्वच्छ भारत अभियान में आफरी में किये जा रहे कार्यों के बारे में बताते हुए इस क्षेत्र में और कार्य करने की आवश्यकता बताई। श्री वासु ने शोध कार्यों में वैज्ञानिकों से नवीन कार्यों द्वारा भारत की ख्याति सम्पूर्ण विश्व तक पहुँचाने का आव्हान किया।

आफरी खेलकूद एवं सास्कृतिक क्लब के अध्यक्ष डॉ यू. के. तोमर ने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताए ंआयोजित की गई। विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों की दोड़ प्रतियोगिता , बच्चों के लिए स्लो साईकलिंग प्रतियोगिता, महिलाओं के लिए म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता , युवाओं के लिए क्रिकेट व वालीबाल मैच प्रतियोगिताए ं आयोजित की गई। इसी प्रकार सभी के मनोरंजन हेतु रस्सा खींच प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।